M.Ed. SPECIAL EDUCATION (MEDSE)

00087

Term-End Examination

June, 2017

MMD-051 : FOUNDATIONS OF EDUCATION

Time : 3 hours *Maximum Marks : 75*

*Note : Both Part - A and Part - B are **compulsory**.*

PART - A

Write short notes on **any three (3)** of the following questions **(1 - 5)** from **Part - A**. Each question carries **5** marks.

1. How does study of philosophy help in understanding education ? Discuss briefly. 5

2. Discuss the principles of idealism ? 5

3. What is Inclusive Education ? 5

4. What is the difference between social stratification and caste division in Indian society ? Give examples of both. 5

5. Discuss decentralization of education system in India. 5

PART - B

Attempt **any four (4)** questions in all from **Part - B**. Question No. **11** is **compulsory**. Each question carries **15** marks.

6. What provisions should be made in general schools to make inclusive education a successful venture ? Discuss with concrete examples. **15**

7. Compare and contrast various theories of truth. **15**

8. How is Pragmatism relevant in process of teaching learning in present time. Discuss with suitable examples. **15**

9. Discuss system of Education in India and impact of globalization on it. How can value education dilute ill effects of globalization on education ? **15**

10. Is it advisable to provide full freedom to children as advocated by 'Naturalism' ? Discuss positive and negative aspects of it and the role of teacher in a school adopting naturalism as philosophy of education. **15**

11. What are strengths and limitations of various legislations and policies for Education of persons with disabilities in India ? Suggest some measures to make these more useful and relevant. **15**

OR

Prepare an inservice teacher education curriculum to empower and train common school teachers for their important role in inclusion of children with special needs and abilities.

एम.एड. विशेष शिक्षा (एम.ई.डी.एस.ई.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2017

एम.एम.डी.-051 : शिक्षा का आधार

समय : 3 घंटे *अधिकतम अंक : 75*

नोट : *भाग 'अ' एवं भाग 'ब' दोनों अनिवार्य हैं।*

भाग - अ

भाग-अ में से **किन्हीं तीन** प्रश्नों पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

1. दर्शन का अध्ययन किस प्रकार से शिक्षा को समझने में सहायता करता है? संक्षिप्त में चर्चा कीजिए। 5

2. आदर्शवाद के नियमों पर चर्चा कीजिए। 5

3. समावेशी शिक्षा क्या होती है? 5

4. भारतीय समाज में सामाजिक स्तरीकरण तथा जाति विभाजन में क्या अंतर है। दोनों के उदाहरण दें। 5

5. भारत में शिक्षा तंत्र के विकेंन्द्री-करण पर चर्चा कीजिए। 5

भाग - ब

भाग-ब में से **कुल चार** प्रश्नों के उत्तर दें। प्रश्न संख्या 11 **अनिवार्य है**। प्रत्येक प्रश्न के 15 अंक हैं।

6. सामान्य विद्यालयों में समावेशी शिक्षा को एक सफल प्रयास बनाने हेतु क्या क्या सुविधाएँ प्रदान की जानी चाहिए? उचित उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए। 15

7. सत्य के विभिन्न सिध्दातों की तुलना करें एवं भेद स्थापित करें। 15

8. वर्तमान समय में प्रयोजनवाद शिक्षण - अधिगम की प्रक्रिया में किस प्रकार प्रासंगिक है? उचित उदाहरणों सहित चर्चा कीजिए। 15

9. भारत में शिक्षा तंत्र तथा उस पर वैश्वीकरण के प्रभाव की चर्चा कीजिए। मूल्य शिक्षा किस प्रकार से शिक्षा पर वैश्वीकरण के प्रतिकूल प्रभावों को कम कर सकती है? 15

10. क्या प्रकृतिवाद द्वारा सुझावित कि बच्चे को पूरी स्वतंत्रता दी जाए उचित है? इसके सकारात्मक एवं नकारात्मक आयामों पर चर्चा कीजिए तथा एक विद्यालय में प्रकृतिवाद को शिक्षा दर्शन के रूप में अपनाते हुए शिक्षक की भूमिका बताइए। 15

11. भारत में विकलांग व्यक्तियों की शिक्षा हेतु विभिन्न कानून एवं नीतियों की क्षमताएँ एवं सीमाएँ क्या-क्या हैं? इन्हें अधिक उपयोगी एवं उपयुक्त बनाने हेतु कुछ सुझाव दें। 15

अथवा

सामान्य विद्यालय के शिक्षकों को विशेष आवश्यकताओं एवं योग्यता वाले बच्चों के समावेश में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रशिक्षित एवं सशक्त करने हेतु एक सेवाकालीन शिक्षक-शिक्षा पाठ्यक्रम तैयार कीजिए।